प्रदेश में 10 हजार पर्यावरण सखियों को प्रशिक्षित करेगी सरकार

सौर ऊर्जा से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही योगी सरकार

लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जरिए एक अनूठी पहल शुरू की है, जो ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता की नई राह दिखाएगी। इस बार का फोकस सौर ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना है, जहां प्रदेश में 10 हजार पर्यावरण सखियों को प्रशिक्षित कर रोजगार से जोड़ने की योजना बनाई गई है। सीएम योगी के मार्गदर्शन में यह कदम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने का एक शानदार कदम है।

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत प्रेरणा ओजस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी सौर ऊर्जा के क्षेत्र में काम कर रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में लखनऊ में एक सौर उत्पाद निर्माण इकाई शुरू की गई, जबकि 20 जनपदों के 207 विकास खंडों में 414 सौर शॉप्स स्थापित किए गए, जिनसे 414 महिलाओं को लाभ हुआ।

इसके अलावा 80 सौर फूड प्रोसेसिंग मशीन, ड्रायर, और डीफ्रीजर स्थापित किए गए साथ ही 60 महिलाओं को 'सूर्य सखी' के रूप में प्रशिक्षित किया गया। यह पहल महिलाओं को तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर दे रही है।

सौर उत्पाद निर्माण इकाइयों से महिलाओं के सीधे रोजगार से जोड़ेगी योगी सरकार : मिशन निदेशक दीपा रंजन ने इस महत्वाकांक्षी योजना की बारीकियों को साझा करते हुए बताया कि अगले तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश को सौर ऊर्जा और महिला सशक्तीकरण का केंद्र बनाने का एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया है। इस रणनीति के तहत हर मंडल में सौर उत्पाद निर्माण इकाइयों की स्थापना है। प्रदेश में कुल 18 मंडलों को कवर करते हुए इन इकाइयों के माध्यम से 540 महिलाओं को सीधे रोजगार प्रदान किया जाएगा। ये इकाइयां सौर पैनल, बैटरी, और अन्य अत्याधुनिक उत्पादों के निर्माण पर केंद्रित होंगी, जो न केवल स्थानीय जरूरतों को पूरा करेंगी, बल्कि बाजार में भी अपनी पहचान बनाएंगी।

इसके अलावा योगी सरकार 826 विकास खंडों में 3,304 सौर शॉप्स की स्थापना करने जा रही है। प्रत्येक विकास खंड में औसतन चार शॉप्स खोले जाएंगे, जो सौर लालटेन, चार्जर और छोटे घरेलू उपकरणों की बिक्री और मरम्मत के लिए हब के रूप में काम करेंगी। इससे 3,304 महिलाएं इन शॉप्स का संचालन कर आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा का प्रसार तेज होगा। प्रदेश में 20,000 विकेंद्रीकृत सौर उत्पादों जैसे सोलर फूड प्रोसेसिंग मशीन, सोलर ड्रायर, और सोलर डीफ्रीजर की स्थापना की जाएगी।

इन उत्पादों से 20,000 महिलाओं को उद्यमिता का मौका मिलेगा, जो उन्हें छोटे व्यवसाय शुरू करने और स्थानीय स्तर पर आय सृजन में सक्षम बनाएगा। ये उत्पाद खाद्य संरक्षण और ऊर्जा संचयन में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे। इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण 57,702 ग्राम पंचायतों में 57,702 'सूर्य सखियों' की तैनाती है। हर ग्राम पंचायत में एक सूर्य सखी होगी, जो सौर ऊर्जा उत्पादों के उपयोग, रखरखाव, और जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी लेगी। यह कदम ग्रामीण स्तर पर ऊर्जा क्रांति को गति देगा और महिलाओं को तकनीकी नेतृत्व की भूमिका में लाएगा।

उच्च शिक्षा मंत्री ने जय भीम पदयात्रा का हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने रविवार को लखनऊ स्थित मरीन ड्राइव चौराहा से राज्य स्तरीय 'जय भीम पदयात्रा' का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया। यह पदयात्रा डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के पूर्व दिवस पर आयोजित की गई, जिसमें सैकड़ों युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मंत्री ने युवाओं के साथ कदम मिलाते हुए मरीन ड्राइव चौराहा से अम्बेडकर स्मृति स्थल तक पदयात्रा की। जो सामाजिक न्याय, समानता और संविधान के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। कार्यक्रम की शुरुआत उच्च शिक्षा मंत्री ने सामाजिक परिवर्तन प्रतीक स्थल पर डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर मौन श्रद्धांजलि के साथ की। इसके बाद युवाओं के साथ संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया और डॉ. अम्बेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके विचारों को उपस्थित जनसमूह के समक्ष रखा। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर न केवल भारत के संविधान निर्माता थे, बल्कि वे एक महान समाज सुधारक, चिंतक और न्यायप्रिय नेता भी थे। उन्होंने जीवन भर सामाजिक असमानता के विरुद्ध संघर्ष किया और शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का प्रमुख साधन माना। उन्होंने शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो% का जो संदेश दिया था, वही आज के युवाओं के लिए सबसे बड़ा पथप्रदर्शक है।उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रकृति में आरंभ से ही सामाजिक समरसता और समता का भाव रहा है। डॉ. अम्बेडकर ने इस विचार को संविधान में मूलभूत अधिकारों और कर्तव्यों के माध्यम से सशक्त किया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे संविधान के मूल्यों को आत्मसात करते हुए समावेशी समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। भारत एक है और हमें समतामयी, ममतामयी समाज की स्थापना करनी है। योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में 'जय भीम पदयात्रा' जैसे आयोजनों के माध्यम से बाबा साहब के विचारों को घर-घर तक पहुंचाया जा रहा है।

मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने की नून नदी पुनर्जीवन महाअभियान की शुरुआत

जालौन।

बुंदेलखंड में जल संकट को देखते हुए रविवार को नून नदी के पुनर्जीवन के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया गया। सतोह गांव में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की अगुवाई में एक महाअभियान शुरू हुआ, जिसमें हजारों लोगों ने श्रमदान किया और जल संरक्षण का संदेश दिया। इस अभियान के तहत नदी के उद्गम स्थल से काम की शुरुआत की गई, जिसमें मंत्री स्वयं कुदाल और फावड़ा हाथ में लेकर शामिल हुए।

मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि नदी केवल जल का स्रोत नहीं, यह हमारी संस्कृति, परंपरा और भविष्य की धरोहर है। आज का यह अभियान सिर्फ नदी की सफाई नहीं, बल्कि एक नई चेतना का आरंभ है। इस अभियान में प्रमुख जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी भागीदारी दिखायी। माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा और कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने भी श्रमदान किया। इसके साथ ही जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार भी मौके पर उपस्थित हुए और जनता को प्रेरित किया। सतोह गांव में यह आयोजन उत्सव के रूप में बदल गया, जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने अपने हाथों में फावड़ा उठाकर भाग लिया। हजारों ग्रामीण, महिलाएं और युवक इस अभियान में एकजुट होकर जल संरक्षण के महत्व को समझते हुए सक्रिय रूप से भागीदार बने। इस अवसर पर सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, डीपीआरओ राम अयोध्या प्रसाद गुप्ता, परमार्थ से संजय सिंह, एसडीएम कोंच ज्योति सिंह, बीडीओ कोंच सर्वेश कुमार, बीडीओ नदीगांव मन्नू लाल यादव, बीडीओ महेवा संदीप मिश्रा, बीडीओ कदौरा अरुण कुमार, एडीओ पंचायत देवेंद्र सतोह प्रधान ममता पटेल, प्रधान प्रतिनिधि हरिकिशोर पटेल, अमीठा प्रधान कमलेश कुशवाहा, सतोह ग्राम विकास अधिकारी पूनम राजपूत मौजूद रहे।

धर्मपाल सिंह ने मशाल जलाकर किया डा. आम्बेडकर मैराथन का शुभारम्भ

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर की ओर से रविवार को यहां डा. आम्बेडकर मैराथन का आयोजन किया गया। के.डी.सिंह बाबू स्टेडियम से मशाल जलाकर आम्बेडकर मैराथन का शुभारंभ भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने किया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने झण्डी दिखाकर धावकों को रवाना किया। मैराथन में बड़ी संख्या में शामिल युवाओं धावकों के रास्ते में कई स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। के.डी.सिंह बाबू स्टडियम से शुरू हुई मैराथन अटल चौक होते हुए 1090 चौराहे पर समाप्त हुई। यहां पर मैराथन में अग्रणी धावकों को पुरस्कृत किया गया। भाजपा नेता नीरज सिंह ने कहा कि बाबा साहब डा. भीमराव आम्बेडकर सबके हैं। उन्होंने समाज के उत्थान के लिए कार्य किया। बाबा साहब के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। आज वंचितों के उत्थान के लिए केन्द्र की मोदी व प्रदेश की योगी सरकार कार्य कर रही है। इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, एमएलसी मुकेश शर्मा, विधायक डा. नीरज बोरा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की असली ताकत है : राज हंस सिंह

जौनपुर।

मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज के सौदागर हॉल में शनिवार 'विकसित भारत के संकल्प' विषय पर प्रेरणादायक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें युवाओं की भूमिका को राष्ट्र निर्माण की मूल शक्ति के रूप में रेखांकित किया।

मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजहंस सिंह ने युवाओं को देश की प्रगति का मेरुदंड बताते हुए कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की असली ताकत है। उन्होंने कहा कि यदि युवा शिक्षा, नवाचार, तकनीक और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने 'स्टार्टअप इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' जैसी योजनाओं को अपनाने की सलाह दी।

विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति के अध्यक्ष हेमंत तिवारी ने पत्रकारिता को समाज को दिशा देने वाला शक्तिशाली माध्यम बताया। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सत्यनिष्ठा और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. अब्दुल कादिर खान ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब शिक्षा डिग्री के साथ-साथ नैतिकता और सेवा का माध्यम बने। युवाओं से आत्मावलोकन, कौशल विकास और सामाजिक चेतना के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने मुख्य अतिथि राजहंस सिंह एवं विशिष्ट अतिथि हेमंत तिवारी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और आयोजन समिति को कार्यक्रम की सफलता के लिए बधाई दी।

आपका राशिफल 14 अप्रैल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक 6 7 9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते) — जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) — मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक 4 6 8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

वक्फ के नाम पर लोगों को गुमराह किया घरों से खींचकर की जा रही हत्याः योगी

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को वक्फ संशोधन कानून का विरोध करने पर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। सीएम योगी ने वक्फ को लेकर विपक्ष पर गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि वक्फ कानून के नाम पर हिंसा भड़काई जा रही है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद हिंसा पर भी चिंता जताई।

लखनऊ में डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आप देखते होंगे दलितों की झोपड़ी और जमीनों पर कब्जा करने वाले कुछ लोग इन्हीं दलों से जुड़े हुए होंगे। हमें आश्चर्य होता है कि यह (पश्चिम बंगाल) वही राज्य है, जहां वक्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीनों पर जबरन कब्जा किया गया था। उनके पास कोई कागज या राजस्व रिकॉर्ड नहीं है। अब जब वक्फ संशोधन विधेयक संसद में पारित हुआ है और इस पर कार्रवाई की जा रही है, तो इसके खिलाफ हिंसा भड़काई जा रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में तीन हिंदुओं की निर्मम हत्या हुई है। उनके घरों से बाहर खींचकर, उनकी हत्या की गई है।

ये सब कौन हैं? ये वहीं दलित, वंचित और गरीब हिंदू हैं, जिन्हें इस जमीन का सर्वाधिक लाभ मिलने वाला है। इन्हें भय है कि दलितों, वंचितों और गरीबों को अगर हाई राइज बिल्डिंग मिल जाएगी। तो वोट बैंक समाप्त हो जाएगा, गुमराह करने की राजनीति हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी। इसलिए ये हिंसा भड़का रहे है।

योगी ने कहा कि तीन वर्ष पहले राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने एक पुस्तक लिखी थी। वह पुस्तक बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर और आजादी के समय दो महान दलित योद्धाओं के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित थी। एक तरफ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर थे, जिन्होंने कहा था कि उनका आदि भी और अंत भी एक भारतीय के रूप में रहेगा और दूसरी तरफ योगेंद्र नाथ मंडल थे, जिन्होंने पाकिस्तान का समर्थन किया था, लेकिन वह एक वर्ष भी वहां नहीं रह पाए थे। योगेंद्र नाथ मंडल के कृत्यों की सजा आज भी बांग्लादेशी हिंदू भुगत रहे हैं। बांग्लादेश में रहने वाले सभी प्रताड़ित और पीड़ित हिंदू दलित हैं। कांग्रेस, सपा और ममता बनर्जी की पार्टी में से किसी राजनीतिक दल ने उनके (बांग्लादेशी हिंदू) पक्ष में आवाज नहीं उठाई थी। उनके हक में आवाज केवल भाजपा ने उठाई। हमें प्रत्येक हिंदू की रक्षा करनी है।

भारत-अमेरिकी सेनाओं ने जल-थल आक्रमण का किया प्रदर्शन

काकीनाडा (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में टाइगर ट्रायम्फ 2025 अभ्यास के समुद्री चरण के नाटकीय समापन में भारतीय और अमेरिकी सशस्त्र बलों ने काकीनाडा के तट पर एक उच्च-तीव्रता वाले उभयचर हमले को अंजाम दिया।

हमले में आईएनएस जलाश्व और यूएसएस कॉम्स्टॉक की शक्तिशाली संयुक्त तैनाती के माध्यम से नकली दुश्मन की सुरक्षा को सफलतापूर्वक भेद दिया गया। इस जटिल युद्धाभ्यास में भारतीय सेना के इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल्स (बीएमपी) और यूएस मरीन कॉर्प्स लाइट आर्मर्ड व्हीकल्स (एलवी) को लैंडिंग क्राफ्ट मैकेनाइज्ड (एलसीएम) और लैंडिंग क्राफ्ट एयर कुशन (एलसीएसी) के माध्यम से तट पर उतारा गया। वाहन समन्वित तरंगों में आगे बढ़े और समुद्र तटों पर कब्जा कर लिया और एक सुरक्षित परिधि स्थापित की - कार्रवाई में अंतर-संचालन का एक पाठ्यपुस्तक उदाहरण। शत्रुतापूर्ण परिस्थितियों के बीच वास्तविक विश्व मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) आकस्मिकता का अनुकरण करने के लिए तैयार किए गए इस परिदृश्य में भूमि, वायु और समुद्री क्षेत्रों में दोनों सेनाओं के बीच निर्बाध समन्वय की आवश्यकता थी। इस उभयचर हमले से पहले भारतीय सेना के 4/8 गोरखा राइफल्स इन्फैंट्री बटालियन ग्रुप और अमेरिकी सेना की 1 बटालियन, 11वीं आर्कटिक एयरबोर्न डिवीजन की 5वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट द्वारा सामरिक भूमि अभियान चलाए गए थे।

बीएलओ दीदी ट्रेनिंग प्रोग्राम में बनेंगी ट्रेनर : ज्ञानेश

रांची (एजेंसी)। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि दशम जलप्रपात जैसे दुर्गम क्षेत्र की बीएलओ दीदियां भारत में कार्यरत सभी बीएलओ के लिए प्रेरणा का श्रोत हैं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त रविवार को झारखंड के दशम जलप्रपात के प्रांगण में दुर्गम क्षेत्र के बीएलओ से संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर मीडिया के प्रतिनिधियों को भी संबोधित करते हुए कहा कि बीएलओ ऐसे दुर्गम क्षेत्र के कठिनाइयों को सामना करते हुए हर घर तक अपनी पहुंच बनाई और मतदान प्रतिशत भी बेहतर किए है। उन्होंने कहा कि जहां न पहुंचे रवि वहां पहुंचे बीएलओ दीदी। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एक पहल किया गया जिसके तहत देश के विभिन्न राज्यों के बीएलओ को दिल्ली बुलाकर ट्रेनिंग देने का कार्य किया जा रहा है। दशम जलप्रपात की बीएलओ दीदियों को इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में एक ट्रेनर के रूप में भाग लेने के लिए बुलाया जाएगा जिससे देश के अन्य बीएलओ भी इनके कार्यशैली को जान सकें एवं इनसे प्रेरित हो सकें।

देशभर में दो साल में 10 लाख करोड़ की राजमार्ग परियोजनाएं शुरू करेगी सरकार : गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए अगले दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान देंगे, जहां की सड़कें अमेरिका की सड़कों के समान होंगी।

गडकरी ने साक्षात्कार में कहा कि केंद्र सरकार अगले दो साल में देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाने के लिए काम कर रही है, ताकि यह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के बराबर हो। गडकरी ने कहा कि हम अगले दो साल में देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए 10 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें पूर्वोत्तर और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

आने वाले दो वर्षों में पूर्वोत्तर के राजमार्ग अमेरिकी सड़कों के बराबर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के कठिन भूभाग और सीमाओं से निकटता को देखते हुए यहां सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की तत्काल जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाना है, ताकि यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचे के बराबर हो जाए। उन्होंने बताया कि इस दिशा में महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली सहित सभी राज्यों में काम चल रहा है। गडकरी ने कहा कि पूर्वी राज्यों में 3,73,484 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 784 राजमार्ग परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी, जिनके तहत 21,355 किलोमीटर सड़क आएंगी।

उन्होंने कहा कि इनमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) की परियोजनाएं शामिल हैं। गडकरी ने बताया कि हमारे पास फिलहाल असम में 57,696 करोड़ रुपये और बिहार में लगभग 90,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं हैं। हम पश्चिम बंगाल में 42,000 करोड़ रुपये से अधिक, झारखंड में लगभग 53,000 करोड़ रुपये और ओडिशा में लगभग 58,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं भी शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम को छोड़कर पूर्वोत्तर में हम इस साल ही करीब एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू कर रहे हैं। गडकरी ने कहा कि नागपुर में 170 करोड़ रुपये की लागत से एक 'मास रैपिड ट्रांसपोर्ट' पायलट परियोजना चल रही है।

हिंदुओं ने भागकर ली स्कूलों में शरणः सुवेंदु अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने एक्स पर एक पोस्ट कर बताया कि 400 से अधिक हिंदुओं को मुर्शिदाबाद के धुलियान से भागने, नदी पार करने और स्कूल में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने हिंदुओं की तस्वीरें और वीडियो भी पोस्ट किए। भाजपा नेता ने कहा कि धार्मिक कट्टरपंथियों के डर से मुर्शिदाबाद के धुलियान में 400 से अधिक हिंदू नदी पार करके मालदा के बैष्णबनगर के देवनापुर-सोवापुर जीपी के पार लालपुर हाई स्कूल में शरण लेने के लिए मजबूर हुए। अधिकारी ने पोस्ट में कहा कि बंगाल में धार्मिक उत्पीड़न वास्तविक है। उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा कि टीएमसी की तुष्टिकरण नीतियों ने कट्टरपंथी तत्वों को प्रोत्साहित किया है। हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, हमारे लोग अपनी ही जमीन पर अपनी जान बचाने के लिए भाग रहे हैं। कानून-व्यवस्था की इस विफलता के लिए राज्य सरकार को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने जिले में तैनात केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, राज्य पुलिस और जिला प्रशासन से इन विस्थापित हिंदुओं की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने और उनके जीवन की रक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बंगाल जल रहा है। इससे पहले शनिवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक विशेष डिवीजन बेंच ने मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल तैनात करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा हाल के दिनों में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान सांप्रदायिक अशांति को नियंत्रित करने के लिए किए गए उपाय पर्याप्त नहीं थे।